बुधवार
07 फरवरी 2024

पृष्ठ 4

अगर वेट लॉस के लिए रोज पी रहे हैं जूस तो ठहर जाएं, कहीं ये आपकी गलती तो नहीं

पृष्ठ 5

भूमि पेडनेकर रॉयल्स के साथ रखेंगी ओटीटी की दुनिया में कदम, ईशान खट्टर भी देंगे साथ

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 14
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

सच्चाई से जिसका मन भरा है, वह विद्वान न होने पर भी बहुत देश सेवा कर सकता है।
– पं. मोतीलाल नेहरू

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

कांग्रेस नेता व पूर्व मंत्री हरक के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

हमारे संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस नेता व पूर्व मंत्री हरक सिंह के आवास व अन्य ठिकानों पर ईडी की टीम द्वारा छापेमारी की गयी है। हरक के अलावा एक दर्जन अन्य लोगों के ठिकानों पर भी छापे की यह कार्रवाई चल रही है। आज तड़के हुई ईडी की छापेमारी की इस कार्यवाही की खबर मिलने के बाद सत्ता के गलियारों में हलचल मच गई। प्रवर्तन निदेशालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत छापे की कार्रवाई की है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ईडी की टीम आज सुबह लगभग साढ़े पांच बजे हरक सिंह

❑पूर्व मंत्री के आवास सहित एक दर्जन ठिकानों के खंगाले दस्तावेज

के डिफेंस कॉलोनी आवास पर पहुंची और वहां उन्होने आवश्यक दस्तावेज खंगाले। इसके अलावा मेडिकल कालेज व अन्य संस्थानों के निदेशक व अधिकारियों से पूछताछ की जा रही है।

इसके अलावा पूर्व मंत्री से जुड़े कुछ अन्य ठिकानों पर भी ईडी ने दबिश दी है। समाचार लिखे जाने तक छापेमारी की यह कार्रवाई जारी थी। गौरतलब है कि बीते साल ◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

आईएफएस सुशांत के घर से कैश भी बरामद

देहरादून। पोखरो सफारी घोटाले में आज ईडी द्वारा 16 स्थानों पर की गई छापेमारी में सुशांत पटनायक के घर से कैश बरामद होने की खबर भी है जिसकी गिनती के लिए कैश काउंटिंग मशीन लेकर ईडी के अधिकारी दिल्ली नंबर की गाड़ी से दोपहर बाद उनके आवास पहुंचे। ईडी ने सुशांत और किशन चंद सहित आधा दर्जन से अधिक वन कर्मियों के ठिकानों पर भी छापे मारे हैं।

नागपुर व दिल्ली में तय हुआ यूसीसी का मसौदाः कांग्रेस

विशेष संवाददाता

देहरादून। विधानसभा सत्र के तीसरे दिन आज सदन में यूसीसी बिल पर चर्चा की गई। कांग्रेसी विधायकों द्वारा इस बिल पर चर्चा के दौरान कई मुद्दों पर सवाल उठाते हुए सरकार से कहा कि हम यूसीसी का विरोध नहीं कर रहे हैं लेकिन इस महत्वपूर्ण और बड़े बिल पर जल्दबाजी में कोई फैसला लेने से पहले इस पर चर्चा के लिए पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए। कांग्रेस विधायकों ने इस बिल को प्रवर समिति को सौंपने की मांग की।

कांग्रेस विधायक शहजाद ने कहा कि इस बिल में कई मुद्दे ऐसे हैं जिन पर धर्म गुरुओं की राय लिया जाना जरूरी थी लेकिन सरकार ने ऐसा नहीं किया है। उन्होंने कहा कि लिव इन से जुड़े तमाम मुद्दों पर लोगों की अलग-अलग राय है। उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर कोई छेड़छाड़ उचित नहीं है न ही किसी समुदाय विशेष के आंतरिक मामलों में उसे दखल देना चाहिए। कांग्रेस विधायकों का कहना था कि यह लिव इन पर जो कानून बना है वह राज्य की सीमाओं में

❑प्रवर समिति को सौंपने की सलाह
❑चर्चा जारी, आज भी हो सकता है बिल पारित

तो लागू होगा और राज्य का सीमा से बाहर जाकर अगर उत्तराखंड का कोई लड़का या लड़की लिव इन में रहते हैं तो उस पर यह कानून लागू नहीं होगा फिर यह क्या समान कानून है।

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि अगर समान नागरिकता संहिता को लागू किया जाना है तो केंद्रीय स्तर पर किया जाना चाहिए यह किसी प्रदेश विशेष का मुद्दा नहीं है। इसका कोई लाभ तभी हो सकता है कि जब इसे पूरे देश में एक साथ लागू किया जाए। कांग्रेस के विधायकों ने कहा कि इसे जल्दबाजी में लाये जाने के पीछे सरकार की मंशा ठीक नहीं है। यूसीसी लागू करने वाला उत्तराखंड पहला राज्य तो बन जाएगा लेकिन कल इसके कारण बड़ी समस्याएं पैदा होती है तो उसके लिए उत्तराखंड ही जिम्मेदार होगा। कांग्रेस नेताओं ने इस पर चर्चा करते हुए कहा कि यह नागपुर और दिल्ली का मसौदा है जिसका मंचन उत्तराखंड में किया जा रहा है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भाजपा इस बिल का चुनावी लाभ उठाना चाहती है जिसके कारण इसे लाने में जल्दबाजी की जा रही है। जो उचित नहीं है समाचार लिखे जाने तक चर्चा जारी थी सरकार का प्रयास है कि यह बिल आज ही पारित करा लिया जाए। हालांकि अभी कल एक दिन का समय और सरकार के पास है तथा उसके पास इसे पारित कराने के लिए पर्याप्त संख्या बल भी है।

पटाखा फैक्ट्री बलास्ट मामले में फैक्ट्री मालिक सहित तीन लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली (हसं)। मध्य प्रदेश स्थित हरदा पटाखा फैक्ट्री में हुए ब्लास्ट मामले में मुख्य आरोपी फैक्ट्री मालिक सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार लोगों में राजेश अग्रवाल, सोमेश अग्रवाल और रफीक खान शामिल है जो दिल्ली भागने की फिराक में थे। बताया रहा है कि राजेश अग्रवाल को राजगढ़ जिले के सारंगपुर से अरेस्ट किया गया है। वह कार में सवार होकर दिल्ली फरार होने की

फिराक में था। हरदा फैक्ट्री में हुए ब्लास्ट में 11 लोग मारे गए हैं जबकि 175 लोग घायल बताये जा रहे है। हरदा में अवैध फटाखा फैक्ट्री का संचालक राजीव अग्रवाल, और उसके बेटे को सारंगपुर में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी हादसे के बाद फरार हो गए थे। सारंगपुर एसडीओपी अरविंद सिंह ने बताया कि मध्यप्रदेश-उत्तर प्रदेश और दिल्ली को जोड़ने वाले नेशनल हाइवे पर सारंगपुर पुलिस ने रात 9 बजे राजीव अग्रवाल, सोमेश अग्रवाल और रफीक को गिरफ्तार किया है। कागजी कार्रवाई के लिए भोपाल आईजी के निर्देश पर आरोपियों को हरदा भेजा गया है। हरदा हादसे में मध्य प्रदेश पुलिस ने आईपीसी की धारा 304, 308, 34 एवं धारा 3 विस्फोटक अधिनियम के तहत तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

गजबः पुलिस थाने के मालगोदाम से हुई चोरी

हमारे संवाददाता

इटावा। जिले के एक थाने से एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है यहां पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है। मामले में थाना प्रभारी ने शिकायत की है कि थाने के मालखाने से 56 हजार 900 रुपए की नगदी , शराब, तमंचे और 30 वाहन गायब हो गए हैं।

मामला इटावा जिले के फ्रेंड्स कॉलोनी थाने के मालखाने का है। जिसमें थाना प्रभारी ने ही मुकदमा दर्ज कराया और अब पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद कई तथ्य सामने आ सकते हैं, फिलहाल अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। थाना प्रभारी

नकदी, 3 तमंचे, 30 गाड़ियां व शराब-गांजा गायब

सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि मालखाने से जब्ती के 325 सामान और नकद 56 हजार 900 रुपए गायब हैं। बताया कि 2015 में थाना बनाया गया था इसके बाद से कई मालखाना प्रभारी बदले गए। 2015 से लेकर 2023 तक इसी प्रक्रिया को लगातार अपनाया गया लेकिन कोई भी जिम्मेदारी माल खाने के प्रति नहीं उठाई गई। 2015 के बाद से ही मालखाना में लगातार जब्ती सामानों ओर नकदी में कमी देखी जा रही थी। ऐसे में 2015 में चार, 2016 में 12, वर्ष 2017 में 29, 2018 में 36, 2019 में 35, 2020 में 68, 2021 में 68, 2022 में 42 और 2023 में 11 माल (सामान) कम पाया गया।

बताया कि यह कमी तब पता चली जब 2023 में 12 जुलाई को हेड कांस्टेबल सुशील कुमार को मालखाने का चार्ज दिया गया। जब उन्होंने विस्तार से सारी पड़ताल की तो उन्होंने इसकी जानकारी तुरंत थाना प्रभारी के साथ उच्च अधिकारियों को भी दी थी। थाने में से कुल 325 सामान कम है जो सरकारी दस्तावेजों में नहीं चढ़ाया गया है। उससे पहले उनकी लिखा पढ़ी की गई थी। एसएसपी संजय कुमार ने बताया कि कुल 325 माल मुकदमाती कम पाया गया। इनमें 90 प्रतिशत शराब, गांजा व तीन तमंचे शामिल हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

लोकतंत्र के भविष्य वाला चुनाव

लोकसभा चुनाव में अब बहुत ज्यादा समय नहीं बचा है। 2014 के चुनाव में पूर्ण बहुमत के साथ जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व ने केंद्रीय सत्ता संभाली थी तब भले ही भाजपा ने अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए देश के लोगों से कई अविश्वसनीय लोक लुभावन वायदे किए हो जिसमें विदेश में जमा काले धन को वापस लाने और हर एक गरीब के खाते में 15 लख रुपए जमा करने तथा हर साल 2 करोड़ नौकरियां देने की बात कही गई हो या फिर उसे 2019 के चुनाव में भी तमाम लोक लुभावन योजनाओं जैसे किसानों की आय दोगुना करने और उन्हें 6000 सालाना सम्मान राशि देने की बात की गई हो लेकिन अब 10 साल सत्ता में रहकर भाजपा ने अपनी पकड़ इतनी मजबूत बना ली है कि वह अपनी जीत की हैट्रिक लगाने का दावा ही नहीं कर रही है अपितु कांग्रेस मुक्त भारत की बात करते हुए वह विपक्ष मुक्त भारत की बात तक पहुंच गई है। 2019 में भाजपा ने अबकी बार 300 पार का जो नारा दिया था 303 सीटें हासिल कर उसे सच भी साबित कर दिया था। अब 2024 के चुनाव से पहले ही भाजपा ने चुनाव परिणाम घोषित कर दिए हैं। प्रधानमंत्री अपने तीसरे टर्म में विकसित भारत की बात कर रहे हैं तथा विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का दावा कर रहे हैं। उन्होंने 2024 में भाजपा के 370 सीटें जीतने और एनडीए के 400 से अधिक सीटें जीतने का दावा संसद में करते हुए जो कुछ कहा है वह हैरान करने वाला है। उनका कहना है कि अगली बार विपक्ष दर्शक दीर्घा में बैठा नजर आएगा। सवाल यह है कि किसी लोकतांत्रिक देश में इस तरह की भविष्यवाणी या दावा किया जा सकता है। ऐसा नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी जो कह रहे हैं वह असंभव हो लेकिन देश के 140 करोड लोगों का मतपत्र बाचने की अद्भुत ऐसी क्षमता शायद किसी के पास नहीं हो सकती। ऐसा दावा सिर्फ वही सरकार कर सकती है जिनके नियंत्रण में संपूर्ण व्यवस्था आ चुकी हो, चाहे वह मीडिया हो या निर्वाचन आयोग या फिर न्यायपालिका या राज्यों की सत्ता। लोकतंत्र जो बिना विपक्ष के जीवित नहीं रह सकता तब क्या मोदी के इस दावे का अर्थ लोकतंत्र की देश से विदाई तय हो जाना है। ऐसी संभावनाएं विपक्ष के कई नेता भी जता चुके हैं। 2024 का आगामी चुनाव देश के लोकतंत्र का भविष्य तय करने के संदर्भ में अति महत्वपूर्ण रहने वाला है। यह बात मोदी की भविष्यवाणी जरूर तय करेगी।

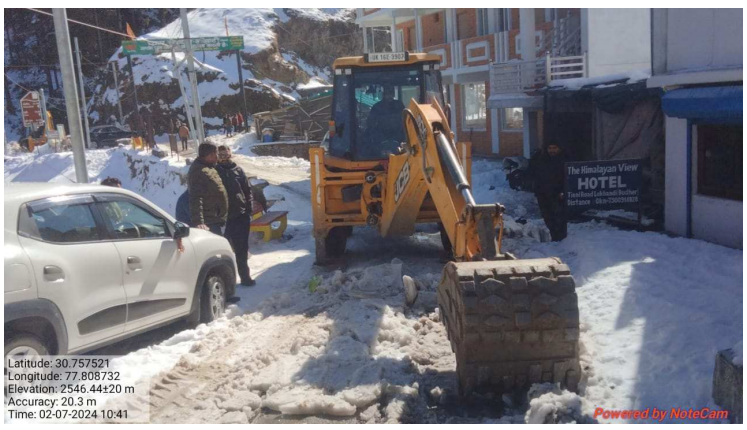

चकराता में बर्फबारी से तीन ग्रामीण मार्ग बन्द, शाम तक खुलने के आसार

संवाददाता

देहरादून। चकराता में भारी बर्फबारी से तीन ग्रामीण मार्ग बन्द हो गये। लोक निर्माण विभाग ने जेसीबी रास्ता खुलवाने की तैयारी की गयी। आज सांय तक खुल रास्ता खुलने के आसार है। मिली जानकारी के अनुसार लोक निर्माण विभाग अस्थाई खण्ड चकराता के अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया है कि आज प्रातः में प्राप्त सूचना के अनुसार बर्फबारी के कारण तीन ग्रामीण मार्ग लौखण्डी-लोहारी (ग्रामीण मार्ग) मोटर मार्ग एक किलोमीटर से चार किलोमीटर में बर्फबारी के कारण अवरूद्ध हो गया है। इसके साथ ही सैज-कूनैन (ग्रामीण मार्ग) मोटर मार्ग दो किलोमीटर से चार किलोमीटर (त्यूनी) में बर्फबारी के कारण अवरूद्ध हो गया है तथा लेवरा (ग्रामीण मार्ग) मोटर मार्ग तीन किलोमीटर से चार किलोमीटर में बर्फबारी के कारण बन्द हो गया है। उपरोक्त मार्गो को यातायात हेतु खोलने के लिए एक-एक जेसीबी मौके पर रवाना किये गये हैं उक्त मार्ग आज सांय छह बजे तक खुलने की सम्भावना बताया गया है।

अभि प्रियाणि पवते चनोहितो नामानि यह्वो अधि येषु वर्धते।
आ सूर्यस्य बृहतो बृहन्नधि रथं विष्वञ्चमरुहद्विचक्षणः।।
(ऋग्वेद ९-७५-१)

ईश्वर सर्वव्यापी है। वह सब में विद्यमान है। वह ही समस्त सृष्टि का निर्माता और प्रकाशक है। जो समस्त संसार को प्रकाशित करता है उस सूर्य को भी वही धारण किए हुए है।

एक घंटे में चार लूट की घटनाओं को अंजाम देने वाला युवक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। एक घंटे में चार लूट की घटनाओं को अंजाम देने वाले नशेडी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लूट का सामान बरामद कर लिया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गत दिवस थाना नेहरू कॉलोनी में श्रीमती आरती शर्मा निवासी फ्रेंड्स एनक्लेव डिफेंस कॉलोनी देहरादून ने तहरीर दी की शाम के समय वह अपने ऑफिस से घर की ओर जा रही थी, तभी राजीव नगर कट पर काले रंग की स्कूटी में सवार एक लड़के ने उनका बैग लूट लिया, जिसमें उनके आवश्यक दस्तावेज तथा 2000 नगद थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। इसी दौरान कन्ट्रोल रूम के माध्यम से डालनवाला क्षेत्र में तीन अलग-अलग स्थानो पर भी काली स्कूटी सवार व्यक्ति द्वारा लूट की घटनाओं को अंजाम दिये जाने की सूचना प्राप्त हुई। लगातार हुई घटनाओं की गंभीरता के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह द्वारा सभी थाना प्रभारियों को स्कूटी सवार व्यक्ति की तलाश हेतु सघन चैकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिये गये थे, साथ ही नियमित रूप से पुलिस द्वारा की जा रही चैकिंग की क्लोज मॉनिटरिंग की जा रही थी।

पुलिस द्वारा की गई त्वरित कार्यवाही तथा सघन चैकिंग के परिणामस्वरूप नेहरू कॉलोनी पुलिस द्वारा घटना में शामिल युवक को सूचना के एक घंटे के अन्दर बद्री कालोनी के पास खाली प्लॉट से गिरफ्तार किया गया, जिसकी तलाशी लेने पर उसके पास से नेहरूकालोनी में की गई लूट की घटना से सम्बन्धित वादिनी के दस्तावेज तथा नकदी बरामद हुई, इसके अतिरिक्त आरोपी के पास से डालनवाला क्षेत्र में की गई लूट की तीन अन्य वारदातों से सम्बन्धित माल भी बरामद हुआ।

पूछताछ में उसने अपना नाम अर्चित नैथानी पुत्र ईश मोहन नैथानी निवासी जलवायु टावर के पास झाझरा प्रेमनगर बताया। उसके द्वारा बताया गया कि वह नशे का आदि है, तथा उसके द्वारा नशे में ही उक्त सारी घटनाओं को अंजाम दिया गया था। सर्कुलर रोड में उसके द्वारा एक राह चलती महिला का बैग छीन लिया था, जिसमें उसे कुछ कागजात तथा ज्यादा रुपये नहीं थे, पर अपने नशे की पूर्ति के लिये उसे और पैसो की आवश्यकता थी जिसके लिये उसके द्वारा अन्य लूट की घटनाओ को अजांम दिया गया, पर उनमें भी उसे कोई खास धनराशि प्राप्त नही हो पायी इसलिए अन्य घटनाओं को अंजाम दिया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

कार की टक्कर से स्कूटी सवार दम्पत्ति घायल

संवाददाता

देहरादून। कार की चपेट में आकर स्कूटी सवार दम्पत्ति घायल हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लालतप्पड रेशम माजरी निवासी सरिता बिष्ट ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका भाई व भाभी अपनी स्कूटी से डोईवाला से घर की तरफ आ रहे थे जब वह बालकुवारी चौक पर पहुंचे तो सामने से आ रही कार ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी जिससे दोनों गम्भीर रूप से घायल हो गये। कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कम्प्यूटर की दुकान में लगी आग, लाखों का सामान जलकर स्वाह

संवाददाता

देहरादून। कम्प्यूटर की दुकान में आग लगने से फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंच काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया लेकिन तब तक लाखों रूपये का सामान जलकर स्वाह हो गया था।

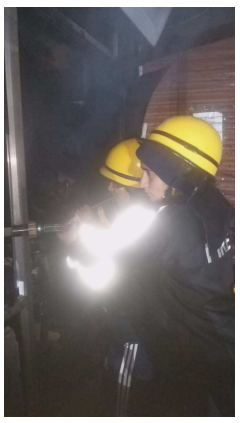

प्राप्त जानकारी के अनुसार फायर स्टेशन देहरादून को 07 फरवरी 2024 समय पौन चार बजे प्रातः पर मनीष गुप्ता की कंप्यूटर टेकन एंड टेक्नोलॉजी नियर बिंदाल पुल में आग लगने की सूचना पर एफएस यूनिट मौके पर पहुंचे। धुआं पहली मंजिल से आ रहा था, सभी दुकान के शटर बंद थे, जाने का रास्ता ना होने पर एक्सटेंशन लैडर लगा कर पहली मंजिल में पहुंचे, बॉल्टकटर से शटर के ताले को काट कर होज रील से आग को कड़ी मशक्कत से बुझाया गया, फायर यूनिट प्रभाकर डबराल, चालक सुनील रावत, शिव लाल, भूपेंद्र, फायरमैन महिला जगदम्बा व फायरमैन महिला प्रिया द्वारा आग को पूर्ण रूप से बुझाया गया। तब तक लाखों रूपये का सामान जलकर स्वाह हो गया था।

महिला अपराधों में निरंतर भाजपा नेताओं के नाम आ रहे हैः शर्मा

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस वरिष्ठ उपाध्यक्ष आशा मनोरमा डोबरियाल शर्मा ने कहा कि महिला अपराधों में निरंतर भाजपा नेताओं के नाम सामने आने पर भाजपा का बेटी पढाओं का नारा भाजपा से बेटी बचाओं बन गया है।

आज यहां प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारां से वार्ता करते हुए प्रदेश महिला कांग्रेस की वरिष्ठ उपाध्यक्ष आशा मनोरमा डोबरियाल शर्मा ने नारी न्याय के लिए विभिन्न बिन्दु जारी किए। उन्होंने कहा कि भाजपा का बेटी पढ़ाओं का नारा अब भाजपा से बेटी बचाओं का नारा हो गया है क्योंकि बलात्कारियों व महिला अपराधों में निरंतर भाजपा नेताओं के नाम ही आ रहे है। अभी ताजा मामला कमल रावत उससे पहले भाजपा के विधायक महेश नेगी, भाजपा के संगठन मंत्री संजय कुमार, स्वामी चिन्मयानंद, कुलदीप सेंगर, हाथरस, उन्नाव, कठुआ, महिला पहलवानों के उत्पीड़न में सांसद बृजभूषण शरण सिंह आखिर ऐसे लोग भाजपा में ही क्यों पाए जाते है। उन्होंने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी इस समय 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' पर हैं। जहां वह सभी पृष्ठभूमि के सैकड़ों लोगों से मिल रहे हैं। हम अखिल भारतीय महिला कांग्रेस में लगातार महिलाओं तक पहुंच कर उनके विचार सुन रहे हैं। हमें अलग/अलग सुझाव मिले हैं और हम नारी न्याय के रूप में अपनी मांगों को रेखांकित कर रहे हैं।

हेमंत की गिरफ्तारी, विपक्षी नेता चिंता में

बिहार में नीतीश कुमार के पाला बदल कर एनडीए में चले जाने और भाजपा की मदद से मुख्यमंत्री बन जाने की घटना ने कांग्रेस और विपक्ष को जितनी चिंता में नहीं डाला है उससे ज्यादा चिंता झारखंड के घटनाक्रम से हो गई है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सिर पर बैठ कर जिस तरह से ईडी ने उनका इस्तीफा कराया और उसके बाद उनको गिरफ्तार किया उससे विपक्ष के कई नेता बेचैन हुए हैं। खास कर ऐसे नेता, जिनसे ईडी की पूछताछ चल रही है और अभी तक गिरफ्तारी नहीं हुई है। बिहार से लेकर पश्चिम बंगाल और हरियाणा से लेकर दिल्ली व महाराष्ट्र तक विपक्षी पार्टियों के नेता चिंता में हैं। सबको गिरफ्तारी की चिंता सता रही है। उनकी चिंता यह है कि अगर भाजपा को लगा कि किसी नेता की वजह से 2024 के चुनाव में नुकसान हो सकता है तो एजेंसी उस नेता को गिरफ्तार करके रास्ते से हटा सकती है।

इस चिंता में सबसे ज्यादा लालू प्रसाद का परिवार है। उनके परिवार के पांच लोगों से ईडी की पूछताछ चल रही है। लालू प्रसाद और उनकी पत्नी राबड़ी देवी के अलावा बेटे तेजस्वी यादव और दो बेटियों, मीसा भारती व हेमा यादव का नाम जमीन के बदले रेलवे में नौकरी से जुड़े कथित घोटाले में शामिल किया गया है। लालू से 29 और तेजस्वी से 30 जनवरी को पूछताछ हुई थी। अब राबड़ी देवी, मीसा भारती और हेमा यादव को नौ फरवरी को दिल्ली में पूछताछ के लिए बुलाया गया है। उसी दिन इन तीनों को दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत में पेश होना है, जहां आरोप तय होंगे। सो, लालू परिवार में चिंता है। लालू प्रसाद या तेजस्वी यादव में से किसी को गिरफ्तार होने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि इनके करीबी रहे अमित कत्याल ने केंद्रीय एजेंसी को कुछ जानकारी दी है। कत्याल अभी जेल में बंद हैं। गौरतलब है कि राजद की राजनीति लालू और तेजस्वी ही संभाल रहे हैं।

इसी तरह दिल्ली में आम आदमी पार्टी में चिंता है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बहुत परेशान हैं और इस परेशानी में ही वे विधायकों को 25-25 करोड़ रुपए देने और उन्हें तोडने की साजिश के अनाप-शनाप आरोप लगा रहे हैं। वे किसी तरह से यह दिखाना चाहते हैं कि भाजपा उनकी पार्टी तोडने और सरकार गिराने के लिए उनको गिरफ्तार करना चाहती है। वे भ्रष्टाचार के नैरेटिव से ध्यान हटाना चाहते हैं, जबकि भाजपा का प्रयास उनको भ्रष्टाचार के आरोप में घर कर उनके कट्टर ईमानदार होने के नैरेटिव को खत्म करने का है। उनकी पार्टी के दो नेता, मनीष सिसोदिया और संजय सिंह जेल में हैं और अगर केजरीवाल जेल चले जाते हैं तो उनकी पार्टी का प्रचार अभियान पटरी से उतर जाएगा। ईडी ने उनको पांचवां समन जारी किया है और दो फरवरी को हाजिर होने के लिए कहा है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के ऊपर सीधे कोई आरोप नहीं है। लेकिन उनकी पार्टी के आधा दर्जन से ज्यादा बड़ेनेता, विधायक और पूर्व मंत्री गिरफ्तार हो चुके हैं। ममता की चिंता भतीजे अभिषेक और उनकी पत्नी व ससुराल के अन्य लोगों की गिरफ्तारी की है। शिक्षक भर्ती व राशन में कथित घोटाला और कोयला तस्करी का मामला चल रहा है। शरद पवार और उद्धव ठाकरे की पार्टी के नेताओं पर भी कार्रवाई हो रही है। पवार की चिंता अपने पोते रोहित पवार को लेकर है, जो परिवार के विवाद में अजित के साथ जाने की बजाय उनके साथ रहे हैं। रोहित से ईडी ने पूछताछ की है और जल्दी ही उनको दोबारा बुलाया जा सकता है।(आरएनएस)

पेच पड़ गए हैं

खबरों में बताया गया है कि अमेरिका भारत को समुद्री और आसमानी गार्जियन ड्रोन्स आपूर्ति तब तक नहीं करेगा, जब तक भारत में गुरपतवंत सिंह पन्नू मामले की सार्थक जांच नहीं होती है। यह दोनों देशों के रिश्तों में पड़े पेच का संकेत है।

अमेरिका ने भारत को समुद्री और आसमानी गार्जियन ड्रोन्स की सप्लाई रोक दी है। बताया गया है कि यह आपूर्ति तब तक नहीं होगी, जब तक भारत में गुरपतवंत सिंह पन्नू मामले की सार्थक जांच नहीं होती है। यह खबर एक वेबसाइट ने दी कि अमेरिकी कांग्रेस (संसद) के सदस्यों ने ड्रोन करार की मंजूरी रोक रखी है। इस बारे में जब मीडियाकर्मियों ने संपर्क किया, तो नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास ने कूटनीतिक भाषा में जवाब दिया कि जो बाइडेन प्रशासन कांग्रेस के साथ इस बारे में कांग्रेस से संवाद कायम रखे हुए है। तीन बिलियन डॉलर का यह ड्रोन करार पिछले जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बहुचर्चित वॉशिंगटन यात्रा के दौरान हुआ था। आलोचकों ने तब कहा था कि इन ड्रोन्स से अमेरिका की इंडो-पैसिफिक रणनीति को बल मिलेगा, जिसकी कीमत भारत चुका रहा है। बहरहाल, मुद्दे की बात यह है कि जिस ड्रोन सौदे को खुद अमेरिका के लिए फायदेमंद समझा गया, अमेरिकी कांग्रेस ने उसे अब तक हरी झंडी नहीं दी है। यह संकेत है कि अमेरिका में पन्नू मामले को कितनी गंभीरता से लिया गया है। अमेरिका में पन्नू की हत्या की कथित कोशिश से पहले एक अन्य खालिस्तानी उग्रवादी हरदीप सिंह निज्जर की कनाडा में हत्या का विवाद सामने आया था। जब कनाडा ने निज्जर हत्याकांड में भारत के हाथ का आरोप लगाया, तो भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया दिखाई थी। मगर पन्नू के मामले में भारत ने जांच का एलान किया। बल्कि संभवतः अमेरिकी दबाव के कारण ही निज्जर मामले में भी भारत ने अपना रुख नरम किया। पिछले हफ्ते कनाडा की निर्वतमान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जोडी थॉमस ने एक इंटरव्यू में कहा था कि अब भारत निज्जर हत्याकांड की जांच में पूरा सहयोग कर रहा है। भारत ने इन दोनों मामलों में अपनी कोई भूमिका होने से साफ इनकार किया है। इसके बावजूद अमेरिका संतुष्ट नहीं है। संभवतः वह भारत में पन्नू मामले की चल रही जांच की प्रगति से भी संतुष्ट नहीं है। इस कारण एक महत्त्वपूर्ण करार में रुकावट डाल दी गई है। यह दोनों देशों के रिश्तों में पड़े पेच का संकेत है।(आरएनएस)

इन आसान तरीको से होगा घुटनों का दर्द दूर, जानें...

आजकल घुटनों में दर्द की समस्या बहुत आम हैं। वे दिन बीत गए, जब यह समस्या सिर्फ़ उम्रदराज़ लोगों को होती थी। आजकल कम उम्र के लोग भी इसके शिकार हो जाते हैं। वैसे तो घुटने में दर्द की समस्या आम मानी जाती है। लेकिन वास्तव में यह काफी तकलीफदेह हो सकती है। इस स्थिति में लोग अक्सर दर्द से छुटकारा पाने के लिए दवाइयों का सहारा लेते हैं। लेकिन आप बिना दवाइयों के भी कुछ नेचुरल उपाय अपनाकर इस घुटने के दद से राहत पा सकते हैं। लेकिन घुटनों में दर्द हो रहा है तो एक बार चिकित्सक की राय भी लेना जरूरी हैं। आपको बता दें कि हमारे घुटने शरीर के लिए कई प्रकार के झटके सहन करते हैं। इसीलिए घुटनों का स्वस्थ होना हमारी सम्पूर्ण सेहत के लिए बेहद जरूरी है।

गठिया रोग : कमजोर घुटने या गठिया रोग से ग्रस्त घुटनों की वजह से हमारा चलना- फिरना प्रभावित हो जाता है। स्वस्थ घुटने होने के लिए आवश्यक है कि हमारे शरीर का वजन सही हो ताकि हमारे घुटनों पर अतिरिक्त बोझ ना पड़े। इसके साथ ही खूब सारा एक्ससाइज भी जरूरी है। चलिए हम आपको कुछ तरीके बताते हैं, जिन्हे आजमाकर आप अपने घुटने स्वस्थ रख सकते है.

ऊंची, नीची जमीन पर न चलें: अगर आपको गठिया या घुटने की कोई समस्या है तो आप बहुत दलदली या ऊंची, नीची जमीन पर नहीं चलना चाहिए। हमेशा सडक़ के किनारे या समतल धरातल पर चलें। ताकि आपके घुटनों पर कोई झटका ना लगे।

सीढियों पर न कूदे: अगर आपके घुटने सही हालत में नहीं हैं, तो सीढ़ी आदि पर दौडकर उनपर कोई भी अतिरिक्त दबाव नहीं डालना चाहिए। खासकर यदि आपका वजन ज्यादा है तो तेज कदमों से सीढ़ी पर दौडना आपके घुटनों के लिए नुकसानदायी साबित हो सकता है। सीढियों पर धीरे- धीरे चढ़ें और किनारों का सहारा लीजिए, ताकि शरीर का वजन बंट जाए।

साइकिल चलाते वक्त रखें इस बात का ध्यान: साइकिल चलाना एक अच्छा एक्ससाइज है। लेकिन याद रखें जब भी आप साइकिल के पैडल चलाएं अपने घुटने सीधे रखें, इसके लिए जरूरी है कि आप साइकिल की सीट जितनी ऊंची रख सकें रखें। अक्सर कई बार खेलकूद के कारण से घुटनों में चोट लग सकती है। इसीलिए किसी हादसे से बचने के लिए हमेशा खेलकूद के दौरान रक्षात्मक कवच पहनना चाहिए।

नेलपॉलिश लगाने से पहले जरूर जान लें ये 5 गंभीर नुकसान

क्या आप नेलपॉलिश लगाने की शौकीन हैं? लेकिन क्या आपको पता है, कि नेलपॉलिश आपके लिए खतरनाक हो सकती है। ये हम न हीं कह रहे बल्कि शोध में इसकी पुष्टि हो चुकी है। नेलपॉलिश के कलर्स भले ही आपको आकर्षित करते हों, लेकिन इसे बनाने के लिए प्रयोग किए गए केमिकल आपको नुकसान पहुंचाते हैंनियमित रूप से नेलपॉलिश का इस्तेमाल करने वाली महिलाओं पर हुए शोध में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं, जानिए

1. नेलपॉलिश का इस्तेमाल करने वाली महिलाओं में ट्रिफेन्यल फॉस्फेट जैसा जहरीला पदार्थ पाया गया। खास बात यह है कि नेलपॉलिश के लेबल पर इसका कहीं जिक्र नहीं होता।

2. सबसे बड़ा खतरा उत्पन्न होता है जब यह केमिकल शरीर में प्रवेश कर ह्यूमन सिस्टम में गंभीर बदलाव लाता है। यह खास्तौर पर दिमाग और नर्वस सिस्टम में बदलाव पैदा करता है। यह पेट के पाचन और हॉर्मोन सिस्टम में भी गड़बड़ी पैदा कर देता है।

3. न्यूरोटॉक्सिन ऐसे जहरीले पदार्थ होते हैं जो सीधे दिमाग पर असर डालते हैं। इसके साथ ही ये रीढ की हड्डी पर भी असर छोड़ता है। नर्वस सिस्टम को प्रभावित करने वाला यह अन्य जहरीला तत्व नेलपॉलिश में मौजूद रहता है।

4. फॉर्मेलडेय्डे एक तत्व है जो कार्सिनोजेनिक या कैंसर पैदा करने वाला होता है। इसकी मौजूदगी से कैंसर सेल्स बनते हैं।

5. नेलपॉलिश में टोल्यून नाम का तत्व होता है। यह मां के दूध में सीधे घुस जाता है। स्तनपान कराने वाली महिलाओं से यह बच्चे में जाता है। इससे बच्चे के विकास पर सीधा असर पड़ता है। नेलपॉलिश के इस्तेमाल के 10 घंटे बाद, इसका असर चरम पर होता है।

रोज ऑयल का ऐसे करें इस्तेमाल, बढ़ जाएगी आपकी खूबसूरती

गुलाब जहां अपनी खूबसूरती और खुश्बू के लिए जाना जाता है, वहीं स्किन के लिए भी यह कई तरह से फायदेमंद होता है। गुलाब के तेल से एक नहीं, कई फायदे होते हैं। यह स्किन को तो जवां बनाए ही रखता है, वहीं इसमें मौजूद एंटीसेप्टिक और ऐस्ट्रिंजेंट गुण स्किन में निखार लाते हैं। वहीं बढ़ती उम्र के प्रभावों को कम करने में भी मददगार होता है। गुलाब के तेल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट तत्व चेहरे पर आने वाली झुर्रियों को कम करने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। रोजाना इस तेल से मसाज करने से आंखों के नीचे पड़ने वाली लकीरें दूर होती हैं। आप भी जानिए गुलाब के तेल के फायदों के बारे में.....

-गुलाब के तेल में मौजूद ऐंटीऑक्सीडेन्ट गुण स्किन को साफ रखते हैं और इसमें निखार लाते हैं। यह स्किन के रोम छिद्रों में गंदगी जमने से रोकता है और ऐसे में स्किन साफ नजर आती है। वहीं इसके नियमित इस्तेमाल से चेहरे के संपर्क में आने वाली गंदगी और धूल को हटाने में भी मदद मिलती है। यही वजह है कि स्किन में चमक बनी रहती है।

-गुलाब का तेल स्किन को कई तरह से फायदा पहुंचाता है। इसके इस्तेमाल से चेहरे पर निकलने वाले मुंहासे कम होने लगते हैं। वहीं यह स्किन के अन्य दाग घब्बों को भी हटाने में मददगार होता है।

-इसके इस्तेमाल से स्किन मुलायम बनी रहती है। गुलाब का तेल स्किन को कुदरती तौर पर नमी देता है। ऐसे में अगर इन सर्दियों में आपकी स्किन रूखी, बेजान नजर आ रही हो तो आप आप गुलाब का तेल इस्तेमाल कर सकती हैं।

-गुलाब का तेल स्किन के रोम छिद्रों की गहराई से सफाई करता है। साथ ही यह चौड़े हुए छिद्रों को कम भी करने में मददगार होता है।

कुश्ती चित होने के कगार पर

राजेन्द्र सजवान

पिछले एक साल से भारतीय कुश्ती चित होने की कगार पर खड़ी है। फेडरेशन अध्यक्ष ब्रज भूषण शरण सिंह पर लगे यौन शौषण के आरोपों और तमाम उठा पटक के बाद भी हालात सुधारे नहीं सुधर पा रहे। हालांकि फेडरेशन के चुनाव हो गए हैं लेकिन अब चुने गए पदाधिकारियों और खेल मंत्रालय के बीच तनातनी चल रही है। अनुराग ठाकुर और संजय सिंह नाम के दो पहलवान ताल ठोक कर एक दूसरे को चुनौती देने उतर चुके हैं।

अर्थात कुश्ती पर धोबी पछाड़ का खतरा मंडरा रहा है। हालांकि भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया लेकिन विवाद है की बढ़ता जा रहा है, जिसके चलते कुश्ती में असमंजस का माहौल बना हुआ है। इसमें दो राय नहीं कि महिला पहलवानों के आक्रोश और धरना प्रदर्शन के बाद से बालिकाओं के अखाड़े प्रभावित हुए हैं तो दूसरी तरफ प्रमुख अखाड़ों में भी पहले सा उत्साह देखने को नहीं मिलता।

दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब, कर्नाटक, यूपी आदि प्रदेशों के छोटे बड़े अखाड़े यथावत चल रहे हैं लेकिन पहलवानों और गुरु खलीफाओं में एक अलग प्रकार का डर समा गया है। कुछ अखाड़ों के कोच और पहलवान कह रहे हैं कि भले ही कुश्ती फेडरेशन के बड़े लड़ते भिड़ते रहें लेकिन कुश्ती पर कोई असर नहीं पडनेवाला।

दूसरी तरफ एक वर्ग है जिसे महिला कुश्ती का भविष्य खतरे में नजर आता है। कारण, देश की चैंपियन महिला पहलवानों का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर विलाप और विरोध प्रदर्शन गंभीर विषय माना जा रहा है। एक सर्वे से पता चला है कि कुश्ती की लोकप्रियता का ग्राफ गिर रहा है। बहुत से माता पिता अपने बच्चों को अन्य खेलों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।

बेशक, कुछ अखाड़ों पर विवाद का असर साफ नजर आ रहा है। महिला पहलवानों की संख्या घटी है। लेकिन सकारात्मक सोच रखने वाले गुरु खलीफा बदलाव को क्षणिक मानते हैं। उनके अनुसार कुश्ती की लोकप्रियता पर कभी विराम नहीं लग सकता। अधिकांश कुश्ती पंडितों की राय में खेल मंत्रालय, कुश्ती फेडरेशन और आईओए को यह नहीं भूलना चाहिए कि घर की लड़ाई में कुश्ती पर संकट गहरा सकता है और जल्दी ही कोई हल नहीं निकला तो विश्व कुश्ती संस्था भारतीय फेडरेशन पर प्रतिबंध भी लगा सकती है। बेहतर होगा फेडरेशन अध्यक्ष संजय सिंह खेल मंत्री को चैलेंज न करें।

घटती कमाई के बावजूद फाइटर ने 150 करोड़ का आंकड़ा किया पार

ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फिल्म फाइटर इन दिनों चर्चा में है। हालांकि, जिस तरह से फिल्म को लेकर हो-हल्ला मचा हुआ था, इसने बॉक्स ऑफिस पर उस तरह का प्रदर्शन नहीं किया।फिल्म कहानी और किरदारों से कहीं ज्यादा अपने एरियल एक्शन को लेकर चर्चा में है। फिल्म ने 22 करोड़ रुपये के साथ अपना खाता खोला था।आइए जानते हैं अब तक यह फिल्म कितने करोड़ रुपये का कारोबार कर चुकी है। फाइटर ने अपनी रिलीज के 8वें दिन यानी दूसरे गुरुवार को जहां 6 करोड़ रुपये कमाए थे, वहीं 9वें दिन यानी दूसरे शुक्रवार को फिल्म की कमाई में और गिरावट दर्ज की गई।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, फाइटर ने 5.35 करोड़ रुपये अपने खाते से जोड़े और इसी के साथ भारत में फिल्म ने 150 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है।इसकी कमाई लगभग 151.85 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। करीब 250 करोड़ के बजट में बनी यह फिल्म 9 दिनों में अब कहीं जाकर अपनी लागत वसूल पाई है।दुनियाभर में इस फिल्म ने अब तक कुल 253 करोड़ रुपये कमाए हैं।बॉक्स ऑफिस पर लगातार घट रही फिल्म की कमाई देख यह तो साफ है कि बॉक्स ऑफिस पर फाइटर का प्लेन बुरी तरह लड?ड़ा गया है और 200 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल होने के लिए इसे कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। अनिल कपूर, करण सिंह ग्रोवर, अक्षय ओबेरॉय, संजीदा शेख और आशुतोष राणा जैसे सितारे भी फाइटर का हिस्सा हैं।उधर ऋषभ साहनी फिल्म के विलेन हैं। फाइटर का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद ने किया है, जिन्होंने पिछली बार शाहरुख खान संग पठान जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म दी थी।ऋतिक की फिल्म वॉर और बैंग बैंग का निर्देशन भी उन्होंने ही किया था। फाइटर के जरिए ऋतिक-सिद्धार्थ तीसरी बार साथ आए हैं।फिल्म 25 जनवरी को रिलीज हुई थी। ऋतिक को जल्द ही फिल्म वॉर 2 में देखा जाएगा, जिसके निर्देशन की कमान इस बार निर्देशक अयान मुखर्जी को सौंपी गई है। फिल्म में साउथ के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर भी नजर आएंगे। फिल्म में उन्हें ऋतिक के साथ दो-दो हाथ करते देखा जाएगा।उधर दीपिका की फिल्म सिंघम अगेन कतार में हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

अगर वेट लॉस के लिए रोज पी रहे हैं जूस तो ठहर जाएं, कहीं ये आपकी गलती तो नहीं

आजकल भागदौड़ भरी जिंदगी में हेल्थ पर ध्यान दे पाना सबसे चुनौती का काम है। अनहेल्दी खानपान और अस्त-व्यस्त लाइफस्टाइल की वजह से मोटापा और कई तरह की समस्याएं होने लगती है। शरीर का वजन बढने से कई बीमारियां घेर लेती हैं। इसलिए वजन कम करने पर ज्यादा फोकस करने की सलाह दी जाती है। इसके लिए डाइट और एक्सरसाइज के साथ-साथ हेल्दी लाइफस्टाइल को फॉलो करना चाहिए। बहुत से लोग फ्रूट जूस पीकर वेट लॉस करने की कोशिश करते हैं, जो गलत तरीका माना जाता है। ऐसे में आइए जानें कि मोटापा कम करने के लिए फलों का सेवन किस तरह करना चाहिए।

वजन कम करने में जूस की भूमिका

बहुत से लोग वजन कम करने के लिए जूस पीना पसंद करते हैं। फलों,सब्जियों और हर्ब्स के साथ मसालें और आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां मिलाकर कई तरह के वेट लॉस जूस बनाए जाते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, बहुत से लोग इसी गलतफहमी में रहते हैं कि फलों का जूस पीकर वे अपना वजन कम कर सकते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है क्योंकि वेट लॉस में फ्रूट जूस पीने से नुकसान भी हो सकते हैं।

फ्रूट जूस पीने से क्यों नहीं कम होता वजन

कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि फ्रूट जूस पीने से शरीर का वजन बढ़ सकता है। जिसका सेहत पर गंभीर असर पड़ सकता है। अध्ययनों के अनुसार, ऐसे लोग जो लिक्विड डाइट लेते हैं या सिर्फ फ्रूट जूस ही पीते हैं, उन्हें कुछ समय बाद मोटापा घेर सकता है।बच्चों में मोटापे का जोखिम ज्यादा होता है। अब सवाल कि हेल्दी होने के बावजूद फ्रूट जूस पीने से वजन क्यों बढ़ता है तो बता दें कि फलों में फ्रूक्टोज नाम का नेचुरल शुगर पाया जाता है, जो फलों का स्वाद मीठा बनाता है। फलों का जूस निकालने के बाद भी ये नेचुरल शुगर जूस में ही रह जाती है और इसे पीने से कैलोरी बढ़ जाती है। ये कैलोरी पेट में फैट बनकर जमा हो जाती है, जिससे वजन बढ़ता रहता है।

हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, फ्रूट जूस पीने की बजाय फलों को काटकर खाना ज्यादा फायदेमंद होता है। जब फलों का जूस निकाला जाता है तब उन्हें पीसा या कुचला जाता है और फिर छानकर अलग कर लिया जाता है। इससे फलों में मौजूद फाइबर अलग हो जाता है। डाइटरी फाइबर शरीर का मेटाबॉलिज्म बढ़ाकर वेट लॉस में मदद करता है। यही कारण है कि जूस पीने से फाइबर के फायदे नहीं मिल पाते हैं।

सेहत को फायदे पहुंचाने वाले खीरे के कई नुकसान भी होते हैं!

इस बात से तो हम सब अच्छे से वाकिफ है कि खीरे खाना हमारी सेहत के लिए फायदेमंद होता है। वह भी खासकर के गर्मियों के मौसम में, इसे डाइट में शामिल करने से हमें तमाम फायदे मिलते हैं, पर क्या आप जानते हैं कि सेहत को इतने फायदे पहुंचाने वाला खीरे के कई नुकसान भी होते हैं। कई लोग डाइटिंग के चलते या वैसे ही दिनभर में 8-10 खीरा खा लेते हैं। वैसे तो यह हमारी सेहत के लिए फायदेमंद होता है, लेकिन जरूरत से ज्यादा इसका सेवन करना हमारे लिए जहर के समान भी हो सकता है। कभी भी खीरे को रात के समय खाने की भून न करें। इसे लेकर आपने एक स्थानीय कहावत भी सुनी होगी जो इस प्रकार है, सुबह को हीरा, दिन में खीरा और रात में पीड़ा। इसका मतलब है कि सुबह के समय खीरा खाना शरीर के लिए सबसे अधिक लाभकारी होता है, दिन में इसका सेवन करने के सामान्य फायदे हैं, जबकि रात में इसका सेवन हानिकारक और पीड़ादायी है। खीरे में कुकुर्बिटाइन्स नामक विषैला यौगिक तत्व पाया जाता है। आप जितना ज्यादा खीरा खाएंगे, उतनी ही अधिक मात्रा में यह टॉक्सिक आपके शरीर में जायेगा। इसके कारण आपके लीवर, अग्नाशय, पित्त मूत्राशय और गुर्दा सहित शरीर के कई अन्य अंगों में सूजन हो सकती है। इसलिए इसका सेवन संतुलित मात्रा में ही करें।

शब्द सामर्थ्य -65

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

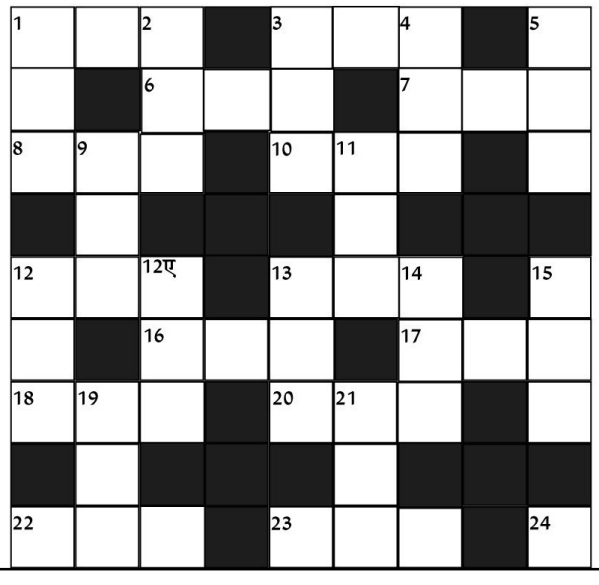

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 64 का हल

प	सं	द		सिं	हा	स	न	
ख		म	ज	दू	र		का	म
वा	द	क		र		सं	ब	ल
ड़		ल	ज्जा		म	स्का		य
	बा			बि	हा	र		
सु	धा	क	र		न			औ
रं		म		कि	ता	ब		स
ग		अ	र	सा		हु	ज्ज	त
	श	क्ल		न	मि	त		न

रणदीप हुड्डा की स्वतंत्र वीर सावरकर को मिली रिलीज तारीख

अभिनेता रणदीप हुड्डा महान स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर की जिंदगी को पर्दे पर उतारने के लिए तैयार हैं। फिल्म स्वतंत्र वीर सावरकर में रणदीप न सिर्फ सावरकर की भूमिका में नजर आएंगे, बल्कि इस फिल्म से वह बतौर निर्देशक अपनी शुरुआत कर रहे हैं।अब स्वतंत्र वीर सावरकर को अपनी रिलीज तारीख मिल गई है। यह फिल्म 22 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।फिल्म को हिंदी के साथ मराठी भाषा में रिलीज किया जाएगा।

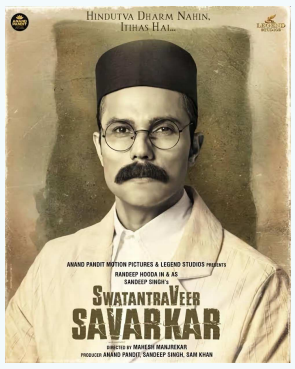

रणदीप ने हाल ही में अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर स्वतंत्र वीर सावरकर का मोशन पोस्टर साझा किया है।उन्होंने लिखा, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दो नायक; एक के लिए जश्न मनाया गया और एक को इतिहास से हटा दिया गया। शहीद दिवस पर इतिहास फिर से लिखा जाएगा।स्वतंत्र वीर सावरकर में अंकिता लोखंडे और अमित सियाल भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।पहले महेश मांजरेकर फिल्म का निर्देशन करने वाले थे, लेकिन फिर उन्होंने इससे किनारा कर लिया।

अभिनेता रणदीप हूडा द्वारा निर्देशित पहली फिल्म, स्वातंत्र्य वीर सावरकर, एक नायक के पुनरुत्थान की शुरुआत करती है, जो भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई में एक अदम्य व्यक्ति के रूप में आज भी याद किए जाते हैं । भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई में एक दूरदर्शिता रखनेवाले ,ज्वाला की तरह दहकते और रगों में देशभक्ति के भाव का चोला पहने स्वतंत्रता सेनानी श्री वीर सावरकर की उपेक्षित कहानी को इस फिल्म के द्वारा बहुत ही खूबसूरती से दर्शाया गया है।

रणदीप ने अपने उम्दा निर्देशन के माध्यम से इस प्रतिष्ठित स्वतंत्रता सेनानी के सार और उत्साह को दर्शाने में अपनी बहुमुखी प्रतिभा और समर्पण का एक प्रमाण प्रस्तुत किया है। अपने हर किरदारों के लिए समर्पित रहनेवाले रणदीप स्वातंत्र्य वीर सावरकर के रूप में ना सिर्फ दर्शकों को मंत्रमुग्ध करते हैं बल्कि एक विचारोत्तेजक कहानी के माध्यम से इतिहास के पन्नो में खो गए एक महान व्यक्तित्व के धैर्य, जुनून और जटिलता को भी बड़े पर्दे पर उतारने की कोशिश किये हैं ।

मैं भाग्यशाली हूं क्योंकि किरण मेरी जिंदगी में आईः आमिर खान

आमिर खान इन दिनों अपने प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनी और किरण राव द्वारा निर्देशित फिल्म लापता लेडीज को लेकर सुर्खियों में हैं, जिसका ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ था। इस फिल्म से ज्यादा आमिर और किरण के रिश्ते की चर्चा हो रही है, जो तलाक के बाद भी साथ काम करते नजर आते हैं। ऐसे में एक्टर ने तलाक के बाद अपनी पूर्व पत्नी के साथ काम करने पर अपनी राय दी है। इंटरव्यू में आमिर खान से उनकी पूर्व पत्नी किरण के बारे में और तलाक के बाद उनके साथ कैसे काम करना है, इसके बारे में पूछा गया। इस पर एक्टर ने जवाब दिया, श्क्या किसी डॉक्टर ने कहा कि जब तलाक होता है तो आप तुरंत दुश्मन बन जाते हैं? मुझे लगता है कि मैं भाग्यशाली हूं क्योंकि किरण मेरी जिंदगी में आईश अभिनेता ने आगे कहा, हम मानवीय और भावनात्मक रूप से जुड़े हुए हैं और हमेशा रहेंगे। हम एक परिवार की तरह हैं। उसके पास दिमाग और बुद्धि है... यहां तक कि कई बार उसे डांटना भी मजेदार है। किरण और आमिर खान की शादी साल 2005 में हुई थी। 2011 में, वे एक बेटे आजाद के माता-पिता बने। साल 2021 में इस कपल ने सोशल मीडिया पर अपने तलाक का ऐलान कर सभी को चौंका दिया था।

सलमान ने फिल्म 'द बुल' के लिए अपनी बॉडी को धांसू बनाया !

मुंबई। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने साल 2023 में अपनी फिल्मों से गदर काट दिया था, लेकिन 2024 में भाईजान की अभी तक कोई फिल्म रिलीज नहीं हुई है। सलमान खान के फैंस उनको बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेताब नजर आ रहे हैं। सलमान खान अपनी फिल्मों के साथ-साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी काफी सुर्खियों में रहते हैं। सलमान खान अक्सर किसी इवेंट या शोज में नजर आते हैं। इसी बीच सलमान खान की कुछ नई फोटोज सामने आई हैं। सलमान खान की ये फोटोज उनके बांद्रा के गैलेक्सी अपार्टमेंट की है। कुछ फैंस सलमान खान के घर पहुंचे थे। इस दौरान सलमान खान उन फैंस से उसी अंदाज में जिस लुक में वो अपने घर पर रहते हैं। सलमान खान इस दौरान बेहद कूल लुक में दिखाई दिए। सबका ध्यान खान की धांसू बॉडी ने अपनी तरफ खींच लिया। इस वायरल हो रही तस्वीर में सलमान खान एकदम अनफिल्टर्ड दिखाई दिए। सलमान खान के साथ-साथ फैंस ने उनके पिता सलीम खान के साथ भी फोटोज क्लिक कराई। इस दौरान फैंस को सलमान खान के घर का इनसाइड लुक देखने को भी मिला। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि सलमान खान ने फिल्म श्द बुलश के लिए अपनी बॉडी को और भी धांसू बना लिया है।

भूमि पेडनेकर रॉयल्स के साथ रखेंगी ओटीटी की दुनिया में कदम, ईशान खट्टर भी देंगे साथ

भूमि पेडनेकर इंडस्ट्री की उन अभिनेत्रियों में शुमार हैं, जो अपने शानदार प्रदर्शन के लिए जानी जाती हैं। अभिनेत्री आखिरी बार फिल्म थैंक्यू फॉर कमिंग में दिखी थीं तो अब वह ओटीटी की दुनिया में कदम रखने वाली हैं।कहा जा रहा है कि अभिनेत्री नेटफ्लिक्स की रोमांटिक-ड्रामा सीरीज रॉयल्स का हिस्सा बन गई हैं, जिसके लिए उन्होंने ईशान खट्टर के साथ सहयोग किया है।अब ऐसे में दोनों सितारों को पहली बार साथ देखने के लिए प्रशंसक उत्सुक हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, इस रोमांटिक-ड्रामा सीरीज का निर्माण प्रीतीश नंदी कम्युनिकेशंस (पीएनसी) कर रहा है, जो एमी पुरस्कार के लिए नामांकित सीरीज फोर मोर शॉट्स प्लीज बना चुका है।फोर मोर शॉट्स प्लीज अमेजन प्राइम वीडियो पर मौजूद है और अब यह प्रोडक्शन हाउस रॉयल्स को बड़े पैमाने पर बनाने की योजना बना रहा है।रिपोर्ट में कहा गया है कि शो फिलहाल प्री-प्रोडक्शन में है और कुछ महीनों के भीतर इसकी शूटिंग शुरू होने की उम्मीद है।

इस सीरीज से जुड़े एक करीबी सूत्र का कहना है कि भूमि एक ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना चाहती थीं, जिसकी कहानी एकदम अलग हो और वो व्यापक दर्शकों को आकर्षित करे।अब रॉयल्स में वह सब कुछ है, जिसे भूमि ने अपने पहले ओटीटी शो के लिए जरूरी समझा था। ऐसे में वह इसे दुनिया के सामने लाने का इंतजार नहीं कर सकती हैं।सूत्र ने कहा कि शो में भूमि की ईशान के साथ केमिस्ट्री देखने लायक होगी।

रॉयल्स के लिए प्रोडक्शन कंपनी पीएनसी ने पहली बार नेटफ्लिक्स के लिए हाथ मिलाया है। इससे पहले यह कंपनी अमेजन प्राइम वीडियो के साथ 4 प्रोजेक्ट के लिए काम कर चुकी है, जिसमें से 3 आ चुके हैं।उनकी चौथी सीरीज नॉटोरियस गर्ल्स अभी प्रोडक्शन में है और इस साल उसके रिलीज होने की उम्मीद है। इस ड्रामा सीरीज में सिमरन, रेवती और नंदिता दास मुख्य भूमिका में हैं, वहीं निर्देशन की कमान शोनाली बोस ने संभाली है।

भूमि की वेब सीरीज की अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन उनकी 2 फिल्में जल्द रिलीज होंगी।रेड चिलीज एंटरटेनमेंट की उनकी नेटफ्लिक्स थ्रिलर भक्षक 9 फरवरी को आनी वाली है तो इसके बाद वह मुदस्सर अजीज की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी में दिखाई देंगी।इसके अलावा ईशान नेटफ्लिक्स सीरीज द परफेक्ट कपल से हॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने जा रहे हैं। इसकी शूटिंग पूरी हो चुकी है और ये 2024 के मध्य में रिलीज होगी।

हाल ही में इंडियन पुलिस फोर्स से सिद्धार्थ मल्होत्रा और शिल्पा शेट्टी ने ओटीटी की दुनिया में कदम रखा है। रवीना टंडन भी डिज्नी+ हॉटस्टार पर आई सीरीज कर्मा कॉलिंग कर्मा से अपनी शुरुआत कर चुकी हैं। इसके अलावा भी कई सितारे ओटीटी पर आएंगे।

हनुमान के निर्देशक प्रशांत वर्मा ने की जय हनुमान की घोषणा

हाल ही में रिलीज हुई सुपरहीरो फिल्म हनुमान के लिए काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने के बाद निर्देशक प्रशांत वर्मा ने आगामी फिल्म जय हनुमान फ्रेंचाइजी की अगली किस्त की तैयारी शुरू कर दी है। तेजा सज्जा, अमृता अय्यर, वरलक्ष्मी सरथकुमार और विनय राय अभिनीत हनुमान ने अभूतपूर्व सफलता दर्ज की है। फिल्म एक गांव के साधारण व्यक्ति की कहानी बताती है जो भगवान हनुमान से महाशक्तियां प्राप्त करता है और उनका उपयोग बुराई से लडने् के लिए करता है।

रिपोर्ट के अनुसार, मामूली बजट में बनी इस फिल्म ने भारत में अब तक 164.75 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। यह फिल्म दुनिया भर में कई भाषाओं में रिलीज हुई थी। निर्देशक ने अपने अनुयायियों के साथ नई फिल्म की खबर शेयर करने के लिए एक्स का सहारा लिया। उन्होंने ट्वीट किया, दुनिया भर के दर्शकों से हनुमान को मिले अपार प्यार और समर्थन के लिए कृतज्ञता के साथ, मैं खुद से एक वादा कर एक नई यात्रा की दहलीज पर खड़ा हूं। जय हनुमान का प्री प्रोडक्शन राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के शुभ दिन पर शुरू हुआ। प्रशांत ने कहा, मेरी ताकत हमारी संस्कृति के बारे में ज्ञान है। इसलिए मैंने सोचा कि हमें अपनी संस्कृति से बाहर एक सुपरहीरो की कहानी लानी चाहिए और फिर हनुमान का विचार आया।

जय हनुमान की तैयारी शुरू होने के साथ ही प्रशांत ने समकालीन सिनेमा के साथ पौराणिक कथाओं का मिश्रण करते हुए, अपनी अनूठी कहानी कहने से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करना जारी रखा है।

ब्लैक डीपनेक ड्रेस में जाह्नवी कपूर ने लगाई आग

एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर अपनी मां श्रीदेवी की ही तरह खूबसूरत हैं, जिनकी कातिलाना अदाओं के सभी कायल हैं। इतना ही नहीं, जाह्नवी को एक्टिंग और डांसिंग का हुनर भी विरासत में मिला है। फिल्मों में अपनी अदाकारी का जलवा दिखाने के साथ ही एक्ट्रेस स्मूड डांस परफॉर्मेंस के लिए भी जानी जाती हैं।

फिल्म लाइन में एक्टिव होने के साथ ही जाह्नवी सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव हैं। वह अक्सर ग्लैमरस फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के साथ शेयर करती हैं। कभी साड़ी में तो, कभी बॉडीकॉन ड्रेस में, जाह्नवी के हुस्न का जलवा देखने लायक होता है। मगर इस बार एक्ट्रेस ने हॉटनेस की हद पार कर दी है।

जाह्नवी कपूर ने ब्लैक बॉडीहगिंग ड्रेस में अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं। डीप नेक ब्लैक ड्रेस में एक्ट्रेस की खूबसूरती देखने लायक लग रही है। अपने लुक को उन्होंने मसकारा, लिप्सटिक, लाइट मेकअप और बालों को खुला रखते हुए पूरा किया है। एक्ट्रेस का ये लुक सामने आने के बाद फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे।

जाह्नवी कपूर के वर्कफ्रंट की बात करें, तो एक्ट्रेस को उनके फैंस देवरा में देखेंगे। इस फिल्म के डायरेक्टर कोरतल्ला शिवा होंगे। यह मूल रूप से तेलुगू फिल्म होगी, जिसे अन्य भाषाओं में भी रिलीज किया जाएगा। जूनियर एनटीआर फिल्म के लीड एक्टर होंगे। वहीं, बॉलीवुड से जाह्नवी के अलावा सैफ अली खान भी फिल्म में अहम रोल करते देखे जाएंगे। इसके अलावा एक्ट्रेस की झोली में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की बड़े मियां छोटे मियां भी है।

गठबंधन बिखरने का जिम्मेदार कौन ?

अजीत द्विवेदी

भाजपा की तरह तो नहीं लेकिन उससे मिलती जुलती एक साइबर आर्मी कांग्रेस के पास भी है। कांग्रेस के पास भी एक इकोसिस्टम है, जिसमें पारंपरिक रूप से भाजपा और संघ विरोधी लोगों की बड़ी संख्या है। ये सब लोग हर स्थिति में उसी तरह से कांग्रेस के बचाव या समर्थन में उतरते हैं, जैसे भाजपा के इकोसिस्टम के लोग भाजपा का समर्थन और बचाव करते रहते हैं। इन दोनों पार्टियों के मुकाबले अन्य पार्टियों के पास ऐसी कोई साइबर आर्मी या इकोसिस्टम नहीं है। आम आदमी पार्टी को एक अपवाद मान सकते हैं। तभी जब विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में बिखराव शुरू हुआ तो केंद्रीय पार्टी कांग्रेस की भूमिका पर सवाल उठाने की बजाय सबने नीतीश कुमार और ममता बनर्जी को निशाना बनाना शुरू किया। कहीं कहीं आम आदमी पार्टी भी निशाने पर आई तो कहीं कम्युनिस्ट पार्टियों पर हमला हुआ। लेकिन सवाल है कि क्या विपक्षी गठबंधन नहीं बना या बनने से पहले ही बिखरता दिख रहा है तो उसके लिए प्रादेशिक पार्टियों के नेता ही जिम्मेदार हैं या कांग्रेस की भी कोई जिम्मेदारी बनती हैक

बड़ा सवाल यह है कि गठबंधन की केंद्रीय पार्टी के तौर पर क्या कांग्रेस को पहल अपने हाथ में नहीं रखनी चाहिए थीक उसने क्यों गठबंधन की जिम्मेदारी आउटसोर्स की थीक पहले शरद पवार गठबंधन बनाने की कोशिश करते रहे। फिर ममता बनर्जी और के चंद्रशेखर राव ने इसका प्रयास किया। अरविंद केजरीवाल ने भी एक समय इसकी कोशिश की और अंत में नीतीश कुमार ने सफल प्रयास किया। नीतीश पिछले साल अप्रैल में इस सिलसिले में पहली बार मल्लिकार्जुन खडके और राहुल गांधी से मिले थे। तब तक खबर थी कि राहुल के मन में नीतीश को लेकर नाराजगी है क्योंकि 2015 में गठबंधन के साथ लडने़ के बाद वे राजद और कांग्रेस को छोड़ कर भाजपा में चले गए थे। अब भी यह कहा जा रहा है कि कांग्रेस को नीतीश पर पहले से भरोसा नहीं था। खडके ने तो यहां तक कि उनको पहले ही पता चल गया था कि नीतीश गठबंधन छोड़ेंगे। अब सवाल है कि जब पहले ही पता चल गया था या भरोसा नहीं था तो उनको साथ बैठा कर बात करने का क्या मतलब थाक

नीतीश कुमार जब गठबंधन का प्रस्ताव लेकर दिल्ली पहुंचे थे और खडके व राहुल से मिले थे तब दोनों ने उनके प्रयास का समर्थन किया था। कांग्रेस ने न सिर्फ उनके प्रयास का समर्थन किया, बल्कि उनके तय किए गए राजनीतिक एजेंडे को अपनाया था। जाति गणना और आरक्षण की सीमा बढ़ाना नीतीश कुमार का आइडिया था, जिस पर राहुल गांधी कर्नाटक का विधानसभा चुनाव लड़े। उन्होंने नीतीश के एजेंडे को आगे बढ़ाते हुए प्रेस कांफ्रेंस में पूछना शुरू किया कि इसमें कितने ओबीसी हैं या यह बताना शुरू किया कि देश के 90 सचिवों में सिर्फ तीन सचिव ओबीसी हैं या यह नारा दिया कि 'जितनी आबादी उतना हक'। सोचें, जब नीतीश पर भरोसा नहीं था तब तो उनको गठबंधन बनाने की जिम्मेदारी दी गई, उनके राजनीतिक एजेंडे को चुनावी मुद्दा बनाया गया और उनकी पहल पर पटना में पहली बैठक हुई। इसका मतलब है कि भरोसा नहीं होने वाली बात बाद में जोड़ी गई है।

बड़ी और गठबंधन की केंद्रीय पार्टी होने के नाते यह कांग्रेस की जिम्मेदारी बनती थी कि वह सभी पार्टियों को वैचारिक और राजनीतिक रूप से बांध कर रखे। इसके लिए जरूरी था कि पहली या दूसरी बैठक में ही संगठन का ढांचा बनता, संयोजक व अध्यक्ष नियुक्त किए जाते, न्यूनतम साझा कार्यक्रम तय होता और सबसे जरूरी सीटों का बंटवारा होता। ध्यान रहे नीतीश कुमार और ममता बनर्जी दोनों ने एक सितंबर को मुंबई में हुई बैठक में सीट बंटवारे पर जोर दिया था और 31 अक्टूबर तक की अघोषित समयसीमा भी तय की गई थी। नीतीश ने बैठक में कहा था कि गठबंधन में सबसे पेचीदा मामला सीट बंटवारे का है इसलिए पहले उसे निपटाया जाए। लेकिन कांग्रेस ने इस पर चुप्पी साध ली। कांग्रेस की रणनीति यह थी कि साल के अंत में होने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव तक इसे टाला जाए क्योंकि उसमें कांग्रेस को अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद थी। अगर वह तीन राज्यों में सरकार बना लेती तो मोलभाव की क्षमता बढ़ जाती। तब वह ज्यादा मजबूती से सीटों के लिए मोलभाव करती। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। कांग्रेस सिर्फ एक राज्य में जीत पाई।

जब विधानसभा चुनाव के नतीजे आने लगे तब कांग्रेस के हाथ पैर फूले और सारे नतीजे आने से पहले ही कांग्रेस ने विपक्षी पार्टियों को बैठक का न्योता भेजना शुरू कर दिया, जिसे सबने ठुकरा दिया। जाहिर है सबने कांग्रेस की होशियारी भांप ली थी। इसलिए बाद में बैठक के लिए 19 दिसंबर की तारीख तय हुई। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। ममता बनर्जी ने अकेले लडने़ का मन बना लिया था तो नीतीश कुमार ने गठबंधन बदलने का फैसला कर लिया था। यह सबको पता है कि ज्यादातर प्रादेशिक पार्टियों के नेता इस उम्मीद में गठबंधन से जुड़े थे कि सब मिल कर लड़ेंगे तो भाजपा की सीटें कम कर देंगे और तब इधर या उधर के गठबंधन में बड़ी भूमिका मिल सकता है। त्रिशंकु लोकसभा की स्थिति में सर्वोच्च पद मिलने की भी उम्मीद कई नेता लगाए हुए थे। लेकिन हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में भाजपा की जीत और कांग्रेस की हार ने उनका मनोबल तोड़ दिया। पहले गठबंधन फाइनल करने और सीट बंटवारे में हुई देरी से निराशा था और ऊपर से दिसंबर के पहले हफ्ते में आए चुनाव नतीजे ने नेताओं को और निराश किया। भाजपा को टक्कर देने की उम्मीद टूटी तो सब अपने अपने रास्ते तलाशने लगे।

इसलिए किसी एक नेता या एक पार्टी को जिम्मेदार ठहरा कर उसके ऊपर ठीकरा फोडने़ से किसी को कुछ हासिल नहीं होने वाला है। यह सही है कि नीतीश कुमार का विपक्षी गठबंधन छोड़ कर भाजपा में जाना एक बड़ा झटका है। लेकिन कांग्रेस की भूमिका पर भी चर्चा होनी चाहिए, जिसने पहले दिन से गठबंधन को खुले दिल से नहीं अपनाया था। लेफ्ट पार्टियों की भी भूमिका की समीक्षा होनी चाहिए, जिनको भाजपा को हराने के लिए वैचारिक प्रतिबद्धता व समर्पण सबसे चाहिए लेकिन अपने असर वाले राज्य में किसी से समझौता मंजूर नहीं है और न किसी खास नेता के प्रति अपनी निजी खुन्नस छोडनी़ है। ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल ने गठबंधन के अंदर रह कर जैसी राजनीति की उस पर भी बात होनी चाहिए।

ममता ने बैठक में अचानक खडके का नाम प्रधानमंत्री पद के लिए क्यों सुझाया और क्यों केजरीवाल ने उसका समर्थन किया, इसकी व्याख्या होगी तब पता चलेगा कि कैसे गठबंधन के अंदर गठबंधन कैसे काम कर रहा था, जिसने एकजुट होकर भाजपा से लडने़ की संभावनाओं को कमजोर किया। सपा के साथ तो कांग्रेस ने कुछ मसला निपटाया है लेकिन शिव सेना के उद्धव ठाकरे गुट का मामला अब भी उलझा है। सो, ऐसा लग रहा है कि भानुपति का कुनबा जोडने़ की कोशिश हुई थी, जिसमें वक्ती तौर पर कामयाबी मिली थी लेकिन वह कामयाबी टिकाऊ साबित नहीं हुई। एकाध नई पार्टियों को छोड़ दें तो कुल मिला कर कांग्रेस के पास वहीं पुरानी यूपीए वाली पार्टियां बची हैं, जिनके साथ मिल कर उसे चुनाव लडना़ होगा।

सू- दोकू क्र. 65

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.64 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

इस बार प्रहसन में!

मतदाता भी बार-बार ठगे जाने के कारण ऐसी घटनाओं पर नाराज नहीं होते- बल्कि उनमें कौतुक और संबंधित घटनाओं से अपना मनोरंजन कर लेने का भाव जगता है। बिहार की ताजा घटना ने फिलहाल उनका पूरा मनोरंजन किया है।

एक बहुचर्चित कथन है कि इतिहास अपने को दोहराता है, लेकिन पहली बार ट्रेजेडी में और दूसरी बार प्रहसन के रूप में। इसका अर्थ यह है कि इतिहास की महत्त्वपूर्ण घटनाओं से जब लोग सबक नहीं लेते, तो उन्हें दोबारा वैसी ही त्रासदी का सामना करना पड़ता है। इसके बावजूद लोग सीख नहीं लेते, तो फिर वैसी घटनाएं प्रहसन के रूप में दोहराई जाती हैं, क्योंकि तब लोग सबक ना सीखने की अपनी भूल के कारण सहानुभूति के नहीं, बल्कि तरस के पात्र बन जाते हैं। बिहार के विभिन्न राजनीतिक दलों ने- जब खुद को छला गया महसूस किया, तब उन्होंने नीतीश कुमार को पलटू राम का नाम दिया। लेकिन जब नीतीश प्रतिद्वंद्वी दल को छल कर साथ आ मिलते हैं, तो उन्हें गले लगाने में वे पार्टियां पूरा उत्साह दिखाती रही हैं। इसलिए बिहार में हुए ताजा घटनाक्रम को एक प्रहसन के रूप में देखा जाएगा। इससे संभव है कि लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को अपना जातीय समीकरण बनाने में सहायता मिले, लेकिन जिस नेता के लिए सारे दरवाजे बंद हो गए थे, उसे फिर

से राज्य में अपने गठबंधन का नेता मान कर पार्टी ने अपनी साख को क्षीण किया है। दरअसल, कहा जा सकता है कि वह भी इस प्रहसन का एक प्रमुख पात्र बन गई है। उधर राष्ट्रीय जनता दल और उसकी सहयोगी पार्टियां भी हास्य का पात्र बनी हैं। कुछ रोज पहले तक भाजपा का साथ छोड़ कर आए नीतीश कुमार को समाजवादी एकता और चाचा-भतीजा का पुनर्मिलन बताने वाले नेताओं के साथ आखिर आज किसे हमदर्दी होगी! यह सारा घटनाक्रम भारतीय राजनीति के किसी बड़े मकसद से दूर जाते हुए विशुद्ध रूप से जोड़-तोड़ में तब्दील हो जाने की शायद सबसे बेपर्द मिसाल है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि राजनीति के इस स्वरूप को बेनकाब कर कोई नई शुरुआत करने वाली शक्तियों का पूरा अभाव बना हुआ है। इसलिए मतदाता भी बार-बार ठगे जाने के कारण ऐसी घटनाओं पर नाराज नहीं होते- बल्कि उनमें कौतुक और संबंधित घटनाओं से अपना मनोरंजन कर लेने का भाव जगता है। बिहार की घटनाओं ने फिलहाल उनका पूरा मनोरंजन किया है। (आरएनएस)

दस सेकंड में होंगे दांत साफ!

अब सिर्फ दस सेकंड में दांत साफ करने का दावा किया जा रहा है। दुनिया में पहली बार एक ऐसा हैंड्स-फ्री टूथ ब्रश आया है जिससे दांत साफ करने में सिर्फ 10 सेकंड्स लगते हैं।

कम्पनी के मुताबिक ऐमाब्रश के इस्तेमाल से आपको दांत घिसने, कुल्ला करने और फ्लॉस करने की फजीहत से छुटकारा मिल जाता है। आपको सिर्फ एक बटन प्रेस करना है, 10 सेकंड इंतजार करना है और आपको बिल्कुल साफ दांत मिल जाएंगे। इसे बनाने वाली कम्पनी का दावा है कि इस टूथ ब्रश का इस्तेमाल कर आप अपनी जिन्दगी के 108 दिन बचा सकते हैं।

देखने में यह एक ब्रिसल्ज वाला माउथ गार्ड लगता है। इसमें तीन हिस्से हैं, एक सिलिकन का माउथपीस, एक हैंडपीस और टूथपेस्ट कैप्सूल्ज जिन्हें ब्रश करते समय एकसाथ लगाना होगा। ऐमाब्रश के निर्माता कहते हैं कि यह माउथपीस बैक्टीरिया रेजिस्टेंट सिलिकन से बना है और इसके दोनों तरफ3डी ब्रिसल्स लगे हैं जो इतने सॉफ्ट हैं कि मसूड़ों को खराब नहीं होने देते हैं।

द हैरिटेज स्कूल नॉर्थ कैंपस की टीम ने कब्जाया इंटर स्कूल अंडर-15 जूनियर ब्वॉयज क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब

संवाददाता

देहरादून। इंटर स्कूल अंडर-15 जूनियर ब्वॉयज क्रिकेट टूर्नामेंट में द हैरिटेज स्कूल नार्थ कैंपस ने फाइनल में सेंट ज्यूडस स्कूल को हराकर ट्राफी पर कब्जा किया। आज यहां द हैरिटेज स्कूल नॉर्थ कैंपस के तत्वावधान में इंटर स्कूल अंडर-15 जूनियर ब्वॉयज क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच मेजबान द हैरिटेज स्कूल नार्थ कैम्पस एवं सेंट ज्यूड्स स्कूल की टीम के बीच खेला गया और रोचक मुकाबले में द हैरिटेज स्कूल नार्थ कैम्पस की टीम ने 11 रन से मैच जीतकर ट्राफी अपने नाम की। यहां द हैरिटेज स्कूल नॉर्थ कैंपस सहस्त्रधारा रोड के तत्वावधान में खेली जा रही इंटर स्कूल अंडर-15 जूनियर ब्वॉयज क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मैच का उदघाटन स्कूल के चेयरमैन चौधरी अवधेश कुमार, निदेशक उमा चौधरी, सिद्धार्थ चौधरी, स्कूल की प्रधानाचार्य दीपाली सिंह, उप प्रधानाचार्य स्वाति पपनै ने संयुक्त रूप से खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया और सभी को विजयी होने का आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर स्कूल के चेयरमैन चौधरी अवधेश कुमार ने खिलाड़ियों को खेल भावना एवं अनुशासन में खेल खेलने का आहवान किया। इस अवसर पर कहा गया कि चौधरी अवधेश कुमार द्वारा किया गया फाइनल मैच का शुभारंभ हमारे युवाओं के बीच खेल कौशल विकसित करने और उत्साही प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए स्कूल की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इस अवसर पर फाइनल मैच द हैरिटेज स्कूल नार्थ कैम्पस एवं सेंट ज्यूड्स स्कूल की टीम के बीच खेला गया और द हैरिटेज स्कूल नार्थ कैम्पस के कप्तान अक्षित कुमार ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और शुरूआती दौर से ही बल्लेबाजों ने तेजी से रन जुटाने शुरू किये और मैच में सलामी बल्लेबाज के रूप में मैदान में उतरे खिलाड़ी अविरल तेजी से रन लेने के चक्कर में रन आउट होकर पवेलियन लौट गये। मैच में द हैरिटेज स्कूल नार्थ कैम्पस के खिलाड़ियों ने तालमेल के साथ खेलते हुए अपनी टीम के लिए तेजी से रन जोड़ते रहे और ने निर्धारित 10 ओवर में 65 रन बनाकर पवेलियन लौट गई। मैच में 66 रनों के लक्ष्य को पार करने उतरी सेंट ज्यूड्स स्कूल की टीम शुरूआती दौर में रन बनाने का प्रयास करने लगी लेकिन द हैरिटेज स्कूल नॉर्थ कैम्पस के गेंदबाजों के आगे वह लक्ष्य को हासिल करने का अंतिम समय तक प्रयास करती रही। मैच में सेंट ज्यूड्स स्कूल की टीम ज्यादा देर तक पिच पर टिकी परंतु द हैरिटेज स्कूल नॉर्थ कैम्पस के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाई और एक के बाद एक विकेट गिरते गये और निर्धारित ओवर पर 54 रन बनाकर पवेलियन लौट गई और द हैरिटेज स्कूल नॉर्थ कैम्पस की टीम ने मैच को 11 रनों से जीतकर खिताब पर कब्जा कर लिया। मैच में द हैरिटेज स्कूल नॉर्थ कैम्पस के खिलाड़ी सार्थक को मैन ऑफ द मैच और ऋषभ को मैन ऑफ द सीरीज प्रदान किया गया। इस अवसर पर विजेता एवं उप विजेता टीमों को पदक, प्रमाण पत्र प्रदान किये गये और विजेता टीम को ट्राफी प्रदान की गई। इस अवसर पर द हैरिटेज स्कूल नॉर्थ कैम्पस के स्कूली बच्चों ने हिन्दी व अंग्रेजी में शानदार कमेन्ट्री कर खिलाड़ियों एवं दर्शकों का उत्साहवर्धन किया।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डोईवाला कोतवाली पुलिस ने नकरौदा टी प्वाइंट के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही पकड लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 52 पव्वे शराब के बरामद किये। पूछताछ में उसने अपना नाम पवन कुमार पुत्र सुरेश कुमार निवासी भगवानदास चौक रायपुर बताया। वहीं डोईवाला पुलिस ने एचपी पेट्रोल पम्प के पास से 70 पव्वे शराब के साथ एक को गिरफ्तार किया। जिसने अपना नाम देशमुख उर्फ सचिन पुत्र ब्रहमपाल निवासी बाल्मीकि बस्ती ऋषिकेश बताया।

कांग्रेस नेता व पूर्व मंत्री हरक के ठिकानों.. ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

विजिलेंस की टीम ने भी छापेमारी की कार्रवाई की थी। कार्बेट टाइगर रिजर्व के पाखरो सफारी टाइगर घपले में पूर्व वन मंत्री हरक सिंह समेत कई अधिकारियों पर जांच एजेंसियों की निगाहें हैं। कुछ अधिकारियों पर भी कार्रवाई के संकेत मिल रहे हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव से ठीक पूर्व हरक सिंह भाजपा छोड़ वापस कांग्रेस में आ गए थे। 2016 में हरीश रावत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार गिराने में भी हरक सिंह रावत की विशेष भूमिका रही थी।

वोटर जागरूकता कार्यक्रम पर दिया जाए विशेष ध्यान:पुरुषोत्तम

संवाददाता

देहरादून। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी वी आर सी पुरूषोत्तम ने अधिकारियां को लोकसभा चुनाव में वोट प्रतिशत को बढाने के लिए वोटर जागरूकता कार्यक्रम पर विशेष ध्यान दिये जाने के निर्देश दिये।

आज यहां मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ बी वी आर सी पुरुषोत्तम ने आगामी लोकसभा चुनाव में वोट प्रतिशत को बढ़ाने के लिए वोटर जागरूकता कार्यक्रम पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए स्वीप गतिविधियों के साथ ही प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया का सहयोग लिया जाए। सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं को वोटर जागरूकता कार्यक्रमों से जोड़ा जाए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ बी वी आर सी पुरुषोत्तम सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में नोडल अधिकारियों के साथ निर्वाचन संबंधी तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। डॉ पुरुषोत्तम ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दी गई समय-सीमा के भीतर सभी तैयारियां पूरी की जाएं। उन्होंने कहा कि सिक्योरिटी मैनेजमेंट प्लान और आयोग के मानकों के अनुरूप स्टेट डिप्लॉयमेंट प्लान बना लिया जाए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन से जुड़े कार्मिकों की ट्रेनिंग सबसे महत्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि कार्मिक पूरी गंभीरता के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करें। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ पुरुषोत्तम ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सी विजिल जैसी अनेक महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। लोगों तक इसकी जानकारी अधिकाधिक पहुंचाई जाए। वोट प्रतिशत को बढ़ाने के लिए बूथ वार रणनीति बनाई जाये। बूथ स्तरीय जागरूकता समूहों को सक्रिय किया जाए। बैठक में संयुक्त निर्वाचन अधिकारी नमामि बंसल, प्रताप शाह, राज्य पुलिस नोडल अधिकारी, सी.ए.पी.एफ. नीलेश आनंद भरणे, सुश्री पी. रेणुका देवी, पुलिस उप महानिरीक्षक, अपराध एवं कानून व्यवस्था डॉ. ललित नारायण मिश्रा, अपर निदेशक, शहरी विकास विभाग तीरथ पाल, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी, देहरादून स्मार्ट सिटी प्रा०लि०, डॉ. सुनिता टम्टा, निदेशक (पी.एस.बी.), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, मनीष जुगरान, तकनीकी निदेशक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, ले. कमाण्डर दीपक खण्डूडी, निदेशक (इन्फा), उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद, अनुपम द्विवेदी, संयुक्त निदेशक, उद्योग निदेशालय, मनोज पाण्डेय, उप निदेशक, कोषागार, निदेशालय, रवि बिजारनिया, उप निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, डॉ. तन्जीम अली, उप सचिव, इरला चौक सहित विभिन्न अधिकारी उपस्थित थे।

लाखों की स्मैक सहित हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। नशा तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को एसटीएफ द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसके कब्जे से लाखों की स्मैक व हजारों की नगदी बरामद की गयी है। आरोपी शातिर किस्म का हिस्ट्रीशीटर बदमाश है जिस पर पूर्व में भी गैंगस्टर एक्ट सहित अन्य कई मुकदमें दर्ज है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बताया कि बीते रोज एसटीएफ की ए.एन.टी.एफ टीम (एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स) को सूचना मिली कि पटेलनगर क्षेत्र में एक कुख्यात नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा पटेलनगर क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया गया।

इस दौरान पटेलनगर स्थित स्मार्ट एनक्लेव के समीप स्कूटी सवार एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। टीम द्वारा जब उसे रोका गया तो वह भागने का प्रयास करने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 68 ग्राम स्मैक व 9600 रूपये बरामद हुए। पूछताछ में उसने अपना नाम तौफिक उर्फ राशिद उर्फ भर्ता पुत्र अनवर निवासी मेहूंवाला मस्जिद के पास हाल पता स्मार्ट एनक्लेव गोरखपुर थाना पटेलनगर बताया। बताया कि बरामद की गयी स्मैक वह बिहारीगढ़ से लेकर आया था जिसको वह पटेल नगर क्षेत्र में आस पास के स्कूल कॉलेजों में अपने पैडलरो के माध्यम से बिक्री करवाता है। इस पर एसटीएफ द्वारा पूछताछ में अन्य कई ड्रग्स पैडलरो के नाम की जानकारी हुई है जिन पर कार्यवाही की जा रही है। एसटीएफ के अनुसार आरोपी शातिर किस्म का नशा तस्कर है। जिस पर गैंगस्टर सहित कई अन्य मुकदमें दर्ज है।

आगामी 9 फरवरी को आभार यात्रा निकालेंगे लघु व्यापारी: चोपड़ा

संवाददाता

हरिद्वार। चौथे वेडिंग जोन के लाभार्थी 9 फरवरी को जन समर्थन के साथ आभार यात्रा निकालेंगे।

आज यहां उत्तराखंड सरकार के निर्देशन में हरिद्वार नगर निगम प्रशासन द्वारा विकसित किए गए चौथे वेंडिंग जोन के सभी लाभार्थियों ने वेंडिंग जोन प्रांगण में प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित कर आगामी 9 फरवरी को जन समर्थन के साथ उत्तराखंड सरकार के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार यात्रा निकालने का निर्णय लिया। वही सेक्टर 2 बैरियर से भगत सिंह चौक के वेंडिंग जोन की सभी दुकानों की पूजा अर्चना कर वेंडिंग जोन की दुकान खोलकर बाजार का व्यापार संचालित किए जाने को लेकर शुभारंभ भी किया। इस अवसर पर लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा 20 वर्षों के संघर्ष के परिणाम स्वरूप आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा सभी रेडी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स को उत्तराखंड नगरी फेरी नीति नियमावली के नियमअनुसार योजनाबद्ध तरीके से मुख्य धारा में लाकर अस्थाई रूप से वेंडिंग जोन के रूप में व्यवस्थित में स्थापित किया जा रहा है जो कि प्रसन्नता का विषय है उन्होंने कहा 9 फरवरी को रेडी पटरी के लघु व्यापारी जन समर्थन के साथ सरकार द्वारा वेंडिंग जोन में जगह दिए जाने पर आभार यात्रा निकालकर सामूहिक रूप से धन्यवाद ज्ञापित किया जाएंगे उन्होंने कहा उत्तरी हरिद्वार के सभी चयनित वेंडिंग जोन में स्थापना की कार्रवाई को लेकर नगर आयुक्त वरुण चौधरी से मांग की गई है कि टाउन वेंडिंग कमेटी की बैठक बुलाकर उत्तरी हरिद्वार के सभी वेंडिंग जोन लाभार्थी सूची प्रकाशित कर टेंडर प्रक्रिया पुरी की जाए। सेक्टर 2 बेरियल भगत सिंह चौक के चौथे वेंडिंग जोन के लाभार्थी अपनी सभापति सिंह जमील अंसारी, आजम अंसारी, मनोज कुमार ,पूनम, विजय गुप्ता, भारत सिंह ,कमल शर्मा, नंदकिशोर, नीरज कश्यप ,प्रद्युम्न सिंह, भोला आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे बैठक का संचालन जिला अध्यक्ष राजकुमार ने किया।

एक नजर

पाकिस्तान में चुनाव कार्यालय के बाहर ब्लास्ट, 12 लोगों की मौत

कराची। पाकिस्तान चुनाव से एक दिन पहले यहां एक निर्दलीय प्रत्याशी के चुनाव कार्यालय के बाहर ब्लास्ट हुआ है। इस ब्लास्ट में अब तक 12 लोगों के मरने की खबर है। वहीं, करीब 30 लोग घायल हुए हैं। पाकिस्तान में 8 फरवरी को चुनाव हैं। पाकिस्तान मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार यह विस्फोट बलूचिस्तान के पिशिन जिले के नोकांडी क्षेत्र में हुआ है। यहां से असफंद यार खान काकर निर्दलीय प्रत्याशी हैं। दोपहर को उनके चुनाव कार्यालय के बाहर बड़ी संख्या में लोग एकत्रित थे। अचानक तेज धमाका हुआ और आग लग गई। लोग चिल्लाते हुए इधर-उधर भागे। ब्लास्ट में बड़ी संख्या में वाहनों को नुकसान पहुंचा है। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी का माहौल बन गया। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर मौके पर फायर विभाग, और एंबुलेंस पहुंची। पुलिस के अनुसार विधानसभा एनए-265 में यह ब्लास्ट हुआ है। सभी घायलों को समीप के जिला अस्पताल में पहुंचा दिया गया है। फिलहाल हालत को काबू करना हमारी प्राथमिकता है। जानकारी के अनुसार पिशिन फायर केंद्र की गाड़ियां बचाव कार्य में कम पड़ रही थीं। इसके बाद जिला प्रशासन ने बलूचिस्तान के अन्य दमकल केंद्रों से फायर की गाड़ियां मंगवाई गई हैं। पाकिस्तान में जब से चुनाव की घोषणा हुई है यहां लगातार हिंसक घटनाएं बढ़ गई हैं।

अच्छे काम करने वाले को कभी सम्मान नहीं मिलता: गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि अच्छे काम करने वाले को कभी सम्मान नहीं मिलता है। इस दौरान उन्होंने अवसरवादी नेताओं को सत्ताधारी दल से जुड़े रहने की इच्छा पर चिंता जताई और कहा कि विचारधारा में गिरावट लोकतंत्र के लिए अच्छी बात नहीं है। गडकरी ने कहा कि ऐसे भी कई नेता हैं जो अपनी विचारधारा पर दृढ़ हैं, लेकिन उनकी संख्या धीरे-धीरे कम हो रही है। गडकरी ने कहा, मैं हमेशा मजाक में कहता हूं कि चाहे किसी भी पार्टी की सरकार हो, एक बात तय है कि जो अच्छा काम करता है उसे कभी सम्मान नहीं मिलता और जो बुरा काम करता है, उसे कभी सजा नहीं मिलती। केंद्रीय मंत्री एक मीडिया समूह द्वारा सांसदों को उनके योगदान के लिए पुरस्कार देने के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी बहसों और चर्चाओं में मतभेद हमारी समस्या नहीं है। हमारी समस्या विचारों की कमी है। गडकरी ने कहा, ऐसे लोग भी हैं जो अपनी विचारधारा के आधार पर दृढ़ विश्वास के साथ खड़े हैं, लेकिन ऐसे लोगों की संख्या घट रही है। विचारधारा में हो रही गिरावट लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है।

इंडियाना के पड्र्यू विश्वविद्यालय में मृत पाया गया भारतीय छात्र

वाशिंगटन। अमेरिका में भारतीय छात्रों पर हमले की घटनाएं लगातार हो रही हैं। शिकागो में भारतीय छात्र पर हमलावरों द्वारा दौड़ाकर किए गए जानलेवा हमले की खबर सुर्खियों में थी कि इंडियाना से भी भारतीय छात्र पर हमले की खबर आ गई। इंडियाना के पर्ड्यू विश्वविद्यालय में 23 साल का भारतीय छात्र मृत पाया गया। गौरतलब है कि यह इस साल अमेरिका में इस तरह का पांचवां और यूनिवर्सिटी में दूसरा मामला था। छात्र की पहचान समीर कामथ के रूप में हुई। मैकेनिकल इंजीनियरिंग के प्रमुख एकहार्ड ग्रोल के अनुसार, कामथ मैसाचुसेट्स से थे और उन्होंने मैसाचुसेट्स एमहर्स्ट विश्वविद्यालय से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की और 2021 की गर्मियों में पर्ड्यू आए। उन्होंने अगस्त में मैकेनिकल इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री के साथ विभाग से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। उनके लिंक्डइन प्रोफाइल के अनुसार 23 वर्षीय भारतीय छात्र को 2025 में डॉक्टरेट कार्यक्रम से स्नातक होना था। इससे पहले भी इसी यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाला एक छात्र भी पिछले महीने मृत पाया गया था। संयुक्त राज्य अमेरिका में इंडियाना के पर्ड्यू विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले भारतीय छात्र नील आचार्य को लापता होने की सूचना के बाद मृत पाया गया था। सुबह करीब 11:30 बजे अधिकारियों को बुलाया गया। टिप्पेकेनो काउंटी कोरोनर के कार्यालय ने कहा पर्ड्यू के परिसर में एक ष्कॉलेज-आयु वर्ग का पुरुष मृत पाया गया।

सदन में राम पर राजनीतिक महासंग्राम

विशेष संवाददाता

देहरादून। भले ही अयोध्या में भव्य और दिव्य राम मंदिर का निर्माण व प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से निपट गया हो लेकिन राम और राम मंदिर के नाम पर अभी राजनीतिक महाभारत जारी है। आज इसकी बानगी एक बार फिर उत्तराखंड विधानसभा में देखने को मिली।

विवाद उस समय शुरू हुआ जब विपक्ष के एक विधायक रवि बहादुर द्वारा चर्चा के दौरान यह कह दिया गया कि हमारे ग्रंथो में श्री राम के श्याम (सांवले) रंग का उल्लेख मिलता है लेकिन भाजपा ने राम की मूर्ति का रंग भी काला कर डाला है। उनके इस बयान का प्रतिकार करने की लिए खड़े हुए संसदीय कार्य मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल उनकी इस बात पर हत्थे से उखड़ गए और बोले कि यह आस्था का मुद्दा है आपकी कोई बात अगर आस्था को चोट पहुंचाने की होगी तो उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि

❑राम की प्रतिमा का रंग काला होने पर विवाद
❑संसदीय कार्य मंत्री विपक्षी विधायकों से भिड़े
❑कांग्रेसी बोले अभिमान तो रावण का भी नहीं रहा

आप लोग जिस तरह हर मुद्दे पर तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं उसके कारण ही आज आपका यह हाल हुआ है कि आज कांग्रेस को कहीं भी कोई पूछने वाला नहीं बचा है। संसदीय कार्य मंत्री के स्वर में स्वर मिलाने के लिए भाजपा के दूसरे नेता भी मैदान में आ गए और इसे आस्था और धार्मिक भावना पर प्रहार बताकर इसका विरोध करने लगे तो फिर विपक्षी विधायक भी पलटवार पर मजबूर हो गए।

विपक्षी विधायकों ने कहा कि हम राम की बात नहीं कर रहे थे हम राम की मूर्ति का रंग काला करने की बात कह रहे थे लेकिन अगर आप रावण की बात पर आ गए हैं तो आपको यह भी समझ लेना चाहिए कि अहंकार तो रावण का भी नहीं रहा था फिर आपकी तो बिसात ही क्या है एक दिन आपका अहंकार भी रावण की तरह मिट्टी में मिल जाएगा।

इस बहस और हंगामे के बीच पीठ पर आसीन स्पीकर ऋतु खंडूरी ने संसदीय कार्य मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल और विपक्षी विधायकों को कई बार शांत कराने की कोशिश की। उनका कहना था कि आप राम के रंग पर नहीं यूसीसी पर चर्चा कर रहे हैं कृपया शांत हो जाएं और बैठ जाएं। लेकिन किसी ने भी उनकी बात को नहीं सुना जो सदन की गरिमा के खिलाफ था।

न्यायालय के आदेश पर दो लोगों पर हत्या का मुकदमा दर्ज

देहरादून (सं)। महिला ने दो लोगों पर अपने पति की हत्या का आरोप लगाते हुए न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकार के अनुसार मुस्तफाबाद पथरी हरिद्वार निवासी गुलशाना ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि 7 जुलाई 2023 को विकास निवासी दौडबसी थाना पथरी व अमरजीत निवासी बादशाहपुर पथरी उसके पति रियाज को यह कहकर घर से बुलाकर ले गये कि ऋषिकेश जाना है। जब उसके पति घर वापस नहीं आये तो उसने उनके फोन नम्बर पर सम्पर्क किया तो फोन बन्द मिला। उसने जब विकास व अमरजीत से अपने पति के बारे में पूछा तो उन्होंने उसको कहा कि उन्होंने उसके पति की हत्या कर दी है तथा लाश गायब कर दी है। जिसके बाद उसने थाना पथरी में उनके खिलाफ प्रार्थना पत्र दिया लेकिन पुलिस ने उसकी नहीं सुनी। जिसके बाद उसने एसएसपी व जिलाधिकारी से भी शिकायत की लेकिन वहां भी उसकी सुनवायी नहीं हुई।

दून चिकित्सालय के बाहर से स्कूटी चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने दून चिकित्सालय के बाहर से स्कूटी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस लाइन निवासी जगपाल सिंह नेगी ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से दून चिकित्सालय आया था। उसने अपनी स्कूटी दून चिकित्सालय के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी।

ईडी ने पूर्व आईएफएस अधिकारी के आवास पर भी की छापेमारी

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत के ठिकानो पर ईडी की छापेमारी के साथ ही पूर्व आईएफएस अधिकारी किशनचंद के आवास पर भी आज सुबह से ईडी की टीम छापेमारी कर रही है। साथ ही आवास पर ही किशनचंद से पूछताछ की जा रही है।

हरिद्वार में पूर्व आईएफएस अधिकारी किशनचंद के आवास पर आज सुबह ईडी की टीम ने छापा मारा। मिली जानकारी के अनुसार, कालागढ़ टाइगर रिजर्व वन प्रभाग में अवैध निर्माण और पाखरों में टाइगर सफारी के लिए पेड़ों के अवैध कटान का मामला सामने आया था। मामले में दो आईएफएस अधिकारियों को निलंबित किया गया था। जांच में आईएफएस किशनचंद पर कई आरोप लगे थे। जिसकी पुष्टि होने का दावा सरकार ने किया था। वित्तीय अनियमित्ताओं के साथ ही अपने पद का दुरुपयोग का भी आरोप उन पर लगे थे। जिसके बाद एसआईटी ने किशनचंद को दिसंबर में दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया था। बीते अप्रैल माह में किशनचंद को हाईकोर्ट से सशर्त जमानत मिल गई थी।

बताया जा रहा है कि आज सुबह ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र के नंद विहार कालोनी स्थित उनके मकान पर ईडी की टीम ने सुबह सात बजे छापा मारा गया है। जो समाचार लिखे जाने तक मौके पर ही मौजूद थी।

भाजपा के साथ रहो नहीं तो ईडी, सीबीआई के छापे को रहो तैयार: प्रीतम

देहरादून। पोखरो सफारी घोटाले मामले में आज ईडी की छापेमार कार्रवाई की खबर पाकर कांग्रेस नेता डॉ. हरक सिंह के आवास पर पहुंचे मगर उन्हें घर में नहीं घुसने दिया गया। प्रीतम सिंह ने कहा कि या तो भाजपा के साथ रहो नहीं तो फिर ईडी, सीबीआई के छापे के लिए तैयार रहो। उन्होंने कहा कि डा. हरक सिंह के साथ भी यही हो रहा है और पूरे देश भर में भी यही चल रहा है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*
कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।